समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Thursday, 24 September 2026

बिहार मे भूकंप के तेज झटके, किशनगंज मे दंहशत... लोग घरों से बाहर भागे, रिक्टर स्केल पर तीव्रता 5.6 दर्ज

Publisher

Published on 21 Nov 2025

बिहार के किशनगंज जिले में सोमवार सुबह भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए, जिसके बाद लोगों में दहशत फैल गई। सुबह-सुबह जमीन हिलने की अनुभूति होते ही स्थानीय लोग अपने घरों से बाहर निकल आए और खुली जगहों में इकट्ठा हो गए। भूकंप के इन झटकों ने अचानक लोगों की दिनचर्या को थाम दिया और कुछ क्षणों के लिए पूरा इलाका भय के माहौल में डूब गया।

जानकारी के अनुसार, यह भूकंप रिक्टर स्केल पर 5.6 तीव्रता का था, जिसे मध्यम से अधिक खतरे की श्रेणी में माना जाता है। भूकंप का केंद्र बांग्लादेश की राजधानी ढाका से लगभग 42 किलोमीटर दूर नर्सिंगदी नामक इलाके में था। केंद्र बिंदु बांग्लादेश में होने के बावजूद इससे सटे भारत के इलाकों, विशेषकर बिहार के पूर्वोत्तर भाग में स्पष्ट रूप से झटके महसूस किए गए। किशनगंज के साथ ही सीमावर्ती इलाकों में भी हल्की कंपन महसूस की गई, जिससे स्थानीय लोगों को घबराहट हुई।

स्थानीय निवासियों ने बताया कि भूकंप के झटके इतने प्रबल थे कि कुछ क्षणों के लिए घरों की दीवारें और खिड़कियां हिलने लगीं। अचानक आए इन झटकों के कारण लोगों ने एहतियातन अपने घरों को छोड़ दिया और सड़क पर या खुले मैदानों में पहुंचकर सुरक्षा तलाशने लगे। कई लोगों ने बताया कि झटके 10 से 15 सेकंड तक महसूस किए गए, हालांकि कोई बड़ी क्षति की पुष्टि अभी तक नहीं हुई है। फिर भी, लोग तनाव में हैं और आफ्टरशॉक्स की संभावना से चिंतित हैं।

किशनगंज जिला प्रशासन द्वारा त्वरित जांच शुरू कर दी गई है। प्रशासन ने ब्लॉक और पंचायत स्तर तक अपने अधिकारियों को प्रभावित क्षेत्रों का जायजा लेने के निर्देश जारी किए हैं। हालांकि अब तक किसी जान-माल की हानि की खबर नहीं है, लेकिन प्रशासन लोगों को सतर्क रहने की अपील कर रहा है। अधिकारियों ने बताया कि भूकंप के बाद बिजली आपूर्ति, संचार व्यवस्था एवं महत्वपूर्ण सेवाओं की भी जांच की गई है, ताकि किसी भी प्रकार की आपात स्थिति से निपटा जा सके।

भूकंप विशेषज्ञों का कहना है कि बांग्लादेश और बिहार का यह क्षेत्र भूकंपीय दृष्टि से संवेदनशील है। पिछले कुछ वर्षों में कई बार

इस इलाके में हल्के और मध्यम झटके महसूस किए जा चुके हैं। भूगर्भीय गतिविधियों में बढ़ोतरी को देखते हुए विशेषज्ञ लगातार सावधानी बरतने की सलाह देते रहते हैं। 5.6 तीव्रता का भूकंप संरचनात्मक क्षति पहुंचाने की क्षमता रखता है, लेकिन इस बार नुकसान नहीं होने से लोगों ने राहत की सांस ली।

भूकंप के बाद सोशल मीडिया पर भी लोगों ने अपनी प्रतिक्रियाएं साझा कीं। कई लोगों ने बताया कि अचानक आई हलचल से बच्चे व बुजुर्ग काफी डर गए। कुछ परिवार भूकंप थमने के बाद भी काफी देर तक घरों के बाहर ही रहे। कई वीडियो भी सामने आए हैं जिनमें लोग घबराहट में घरों से बाहर निकलते हुए दिखाई दे रहे हैं।

फिलहाल जिला प्रशासन और स्थानीय पुलिस क्षेत्र में सतर्कता बनाए हुए हैं। साथ ही, लोगों को सलाह दी जा रही है कि वे किसी भी प्रकार की अफवाह पर विश्वास न करें और आधिकारिक सूचना का ही पालन करें। भूकंप की तीव्रता, केंद्र और आफ्टरशॉक्स के खतरे को लेकर भूगर्भ विशेषज्ञ आगे और विवरण जुटा रहे हैं।

घटना के बाद से जिले में हल्की चिंता जरूर बनी हुई है, लेकिन स्थिति नियंत्रण में है। प्रशासनिक अधिकारी लगातार लोगों से संपर्क कर रहे हैं और उन्हें आवश्यक जानकारी प्रदान कर रहे हैं। हालांकि, भूकंप के अप्रत्याशित स्वरूप के कारण लोगों को भविष्य में ऐसी स्थितियों के लिए सजग रहने की जरूरत है।

बिहार के किशनगंज में आए इस भूकंप ने एक बार फिर इस क्षेत्र की संवेदनशीलता को उजागर किया है। विशेषज्ञों ने लोगों को सलाह दी है कि वे अपने घरों में सुरक्षा उपायों को सुनिश्चित करें और भूकंप के दौरान क्या करना चाहिए, इसके प्रति जागरूक रहें। हालांकि, राहत की बात यह है कि वर्तमान घटनाक्रम में कोई बड़ी क्षति नहीं हुई और जीवन सामान्य गति से लौटने लगा है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.